Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–6

तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

भाग - 3

रामावतार यादव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

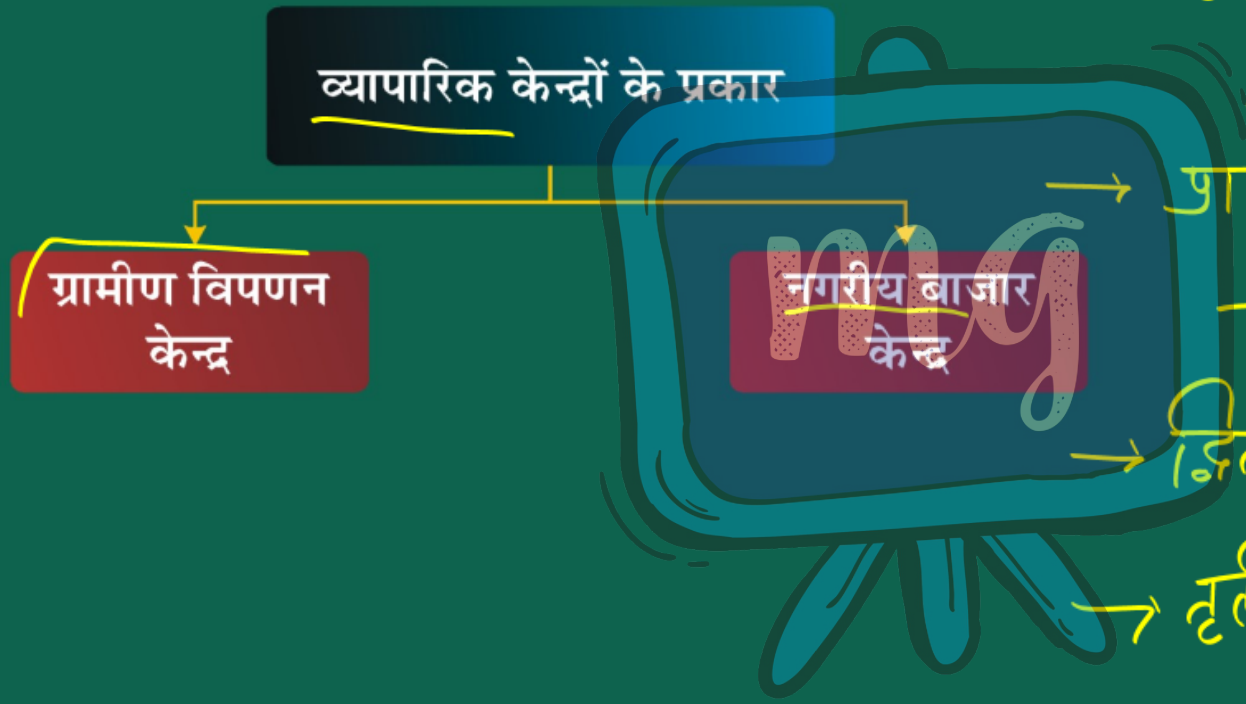

आर्थिक क्रियाओं

→ प्राथमिक क्रिया → प्रकृति के सहारे

→ द्वितीयक क्रियाएँ →

→ तृतीयक क्रियाओं → सेवा, व्यापार व वाणिज्य, परिवहन, संचार।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

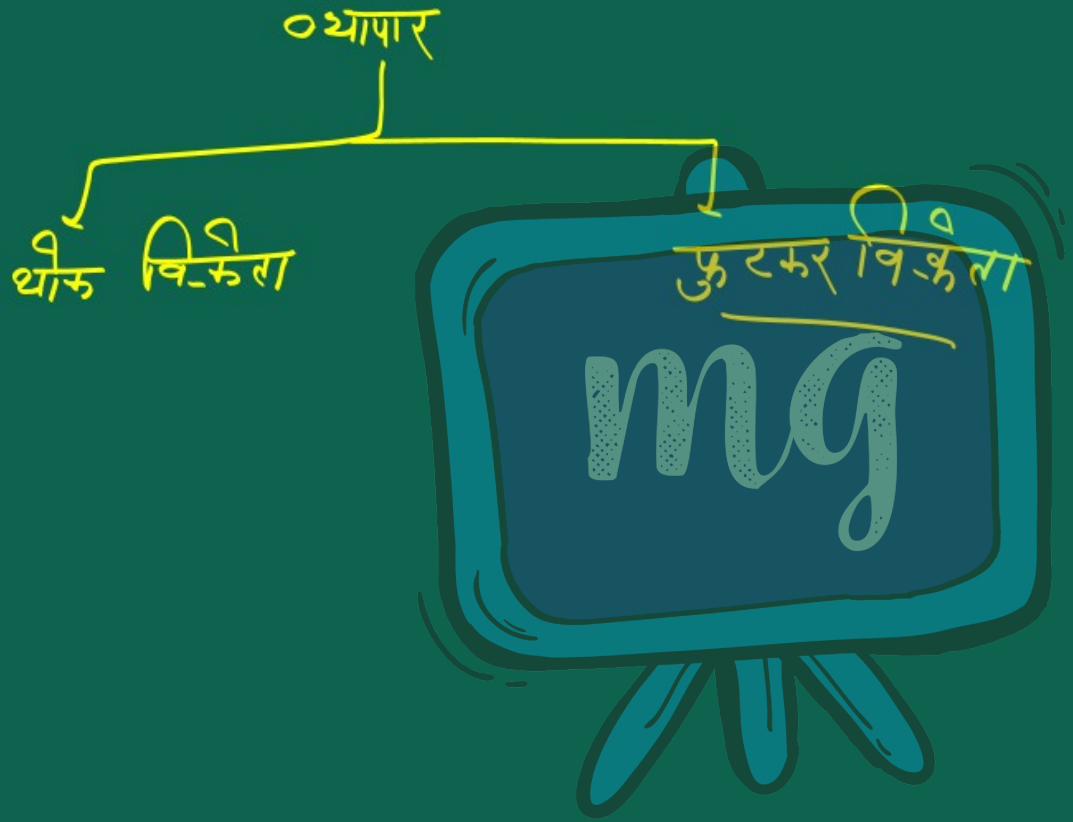

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण विपणन केंद्र



- ये अर्ध-नगरीय केंद्र होते हैं तथा निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।
- ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- ये अत्यंत अल्पवर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं। यहाँ व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएँ सुविकसित नहीं होतीं।
- इनमें से अधिकांश केंद्रों में मंडियाँ (थोक बाज़ार) और फुटकर व्यापार क्षेत्र भी होते हैं। ये स्वयं में नगरीय केंद्र नहीं हैं किंतु ग्रामीण लोगों की अधिक माँग वाली वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले महत्त्वपूर्ण केंद्र हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण क्षेत्रों में आवधिक बाज़ार



ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ नियमित बाज़ार नहीं होते विभिन्न कालिक अंतरालों पर स्थानीय आवधिक बाज़ार लगाए जाते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- ये साप्ताहिक, पाक्षिक बाज़ार होते हैं जहाँ आस-पास के क्षेत्रों से लोग आकर समय-समय पर अपनी आवश्यक ज़रूरतों को पूरा करते हैं।
- ये बाज़ार निश्चित तिथि दिन पर लगते हैं और एक स्थान से दूसरे स्थान पर लगते रहते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नगरीय बाज़ार केन्द्र



सामान्य सेवा → आपूर्ति ⇐ ग्रामीण केन्द्रों

- यहाँ अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवाएँ मिलती हैं।
- इनमें न केवल साधारण वस्तुएँ और सेवाएँ बल्कि लोगों द्वारा वांछित अनेक विशिष्ट वस्तुएँ व सेवाएँ भी उपलब्ध होती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नगरीय केंद्र, इसलिए विनिर्मित पदार्थों के साथ-साथ विशिष्टीकृत बाज़ार भी प्रस्तुत करते हैं जैसे श्रम बाज़ार, आवासन, अर्ध-निर्मित एवं निर्मित उत्पादों का बाज़ार।
- इनमें शैक्षिक संस्थाओं और व्यावसायिकों की सेवाएँ जैसे- अध्यापक, वकील, परामर्शदाता, चिकित्सक, दाँतों का डॉक्टर और पशु चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन









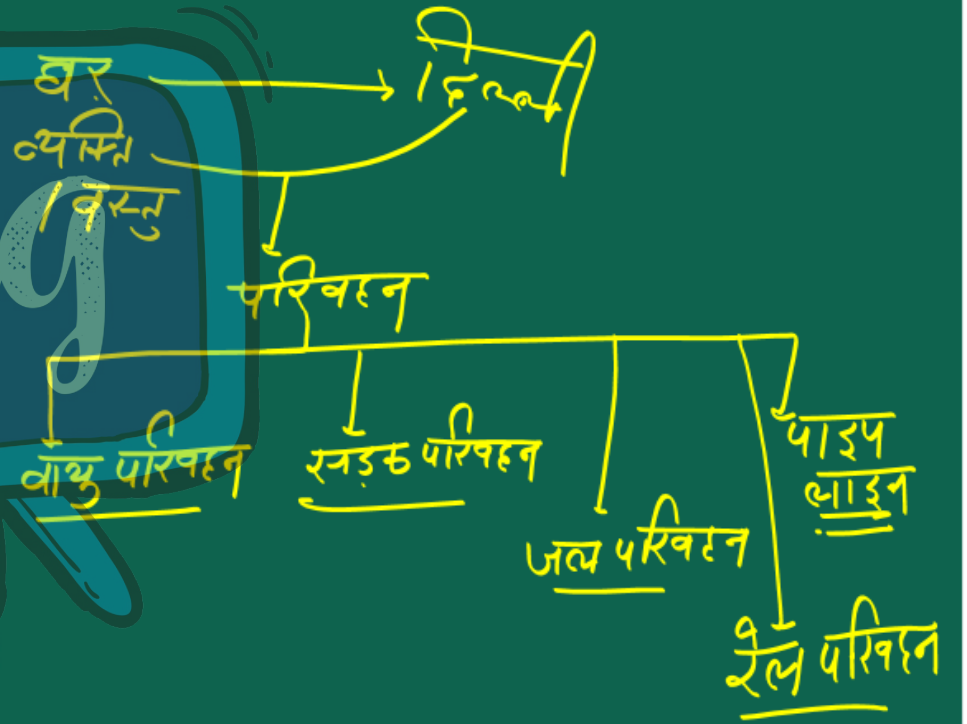

- परिवहन एक ऐसी सेवा अथवा सुविधा है जिससे व्यक्तियों, विनिर्मित माल तथा संपत्ति को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यह मनुष्य की गतिशीलता की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने हेतु निर्मित एक संगठित उद्योग है।
- आधुनिक समाज वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग में सहायता देने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन व्यवस्था चाहते हैं।
- परिवहन को किलोमीटर दूरी, समय-दूरी और लागत दूरी के खर्च के रूप में मापा जाता है।

वस्तु → फल

उत्पादन → वितरण → उपभोग

तीव्र गति

परिवहन

परिवहन →

जयपुर → दिल्ली

220 km → km

समय → 5 घण्टे

खर्चा → 10,000 रु।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक

- उच्चावच / स्थलाकृतियाँ
  - पहाड़
  - पर्वत
  - उच्चावच
  - मैदान
- परिवहन के साधनों की उपलब्धता
  - रेल / सड़क / वायु / जल / पाइपलाइन
- माँग → ⑦
- मार्गों की स्थिति →
- विकास का स्तर → सड़क
  - तकनीकी | आर्थिक

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन से संबंधित शब्दावली

- नोड – दो अथवा अधिक मार्गों का संधि-स्थल, एक उद्गम बिंदु, एक गंतव्य बिंदु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा नोड होता है।
- योजक – प्रत्येक सड़क जो दो नोडों को जोड़ती है योजक कहलाती है। एक विकसित जाल-तंत्र में अनेक योजक होते हैं, जिसका अर्थ है कि स्थान सुसंबद्ध है।

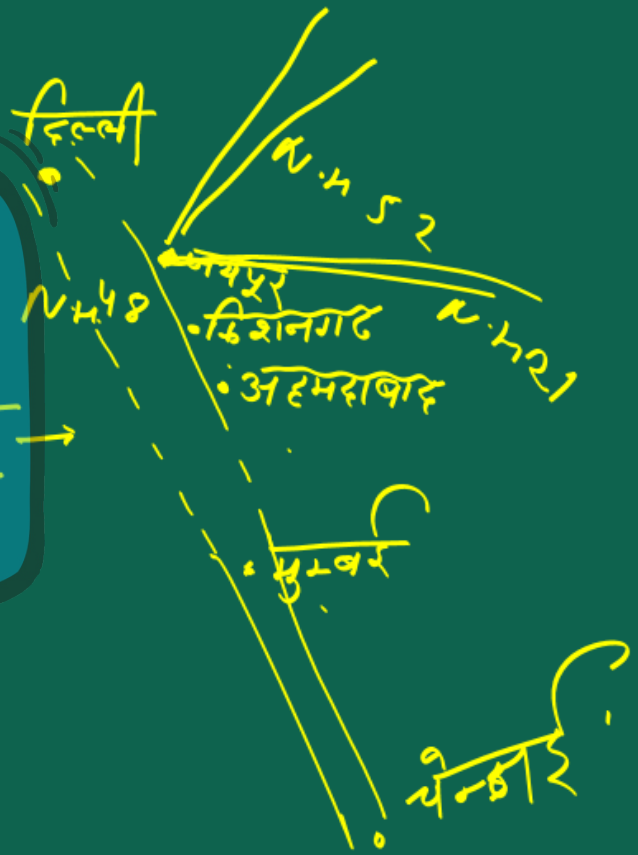

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

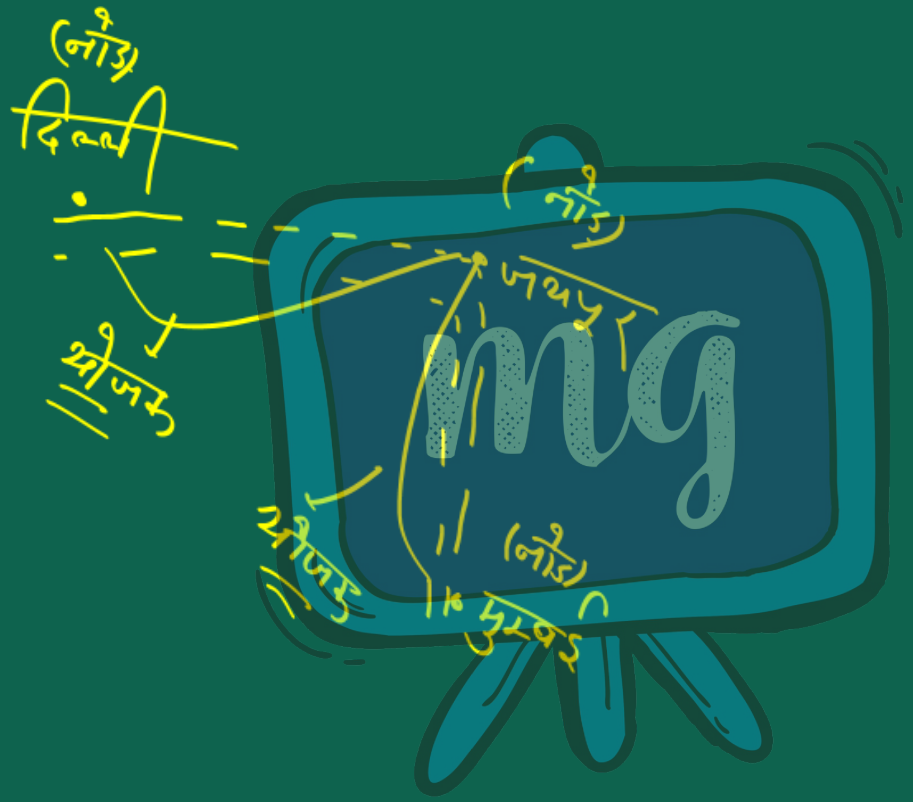

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संचार

- संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण सम्मिलित है।
- लेखन के आविष्कार ने संदेशों को संरक्षित किया और संचार को परिवहन के साधनों पर निर्भर करने में सहायता की।
- ये वास्तव में हाथ, पशुओं, नाव, सड़क, रेल तथा वायु द्वारा परिवहित होते थे।

तृतीयक क्रिया

1. व्यापार - वाणिज्य
2. परिवहन
3. संचार
4. सेवाएं

लेखन → पत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यही कारण है कि परिवहन के सभी रूपों को संचार पथ कहा जाता है।
- जहाँ परिवहन जाल-तंत्र सक्षम होता है वहाँ संचार का फैलाव सरल होता है।
- मोबाइल, दूरभाष और उपग्रह जैसे कुछ विकासों ने संचार को परिवहन से मुक्त कर दिया है।

संचार
सूचनाओं का आदान-प्रदान।
||
परिवहन पथ

नगर → जल।वायु। सड़क।वायु
↓
विकसित अवस्था

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

दूरसंचार

- दूरसंचार का प्रयोग विद्युतीय प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ा है। संदेशों के भेजे जाने की गति के कारण इसने संचार में क्रांति ला दी है।
- रेडियो और दूरदर्शन भी समाचारों, चित्रों व दूरभाष कालों का पूरे विश्व में विस्तृत श्रोताओं को प्रसारण करते हैं और इसलिए इन्हें जनसंचार माध्यम कहा जाता है।